प्रसार भारती
भारतीय प्रसारण निगम
आकाशवाणी केन्द्र शिमला
21.03.2026 / प्रादेशिक समाचार / 15:00बजे

मुख्यमंत्री–बजट

मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने आज प्रदेश विधानसभा में वर्ष 2026–27 का आम बजट पेश किया। ये उनका लगातार चौथा बजट है। हिमाचल प्रदेश का वर्ष 2026–27 का बजट 54 हज़ार 2 सौ 98 करोड़ रुपये होगा और ये बजट वर्ष 2025–26 की तुलना में 3 हज़ार 5 सौ 86 करोड़ रुपये कम होगा। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि आरडीजी बंद होने के कारण बजट का आकार बीते साल की तुलना में कम हुआ है। मुख्यमंत्री ने ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं को और सशक्त बनाने के लिए गाय के दूध का खरीद मूल्य 51 रुपये से बढ़ाकर 61 रुपये और भैंस के दूध का खरीद मूल्य 61 रुपये से बढ़ाकर 71 रुपये करने की घोषणा की। सुखविंद्र सिह सुक्खू ने प्राकृतिक रूप से उगाई गई गेहूं का समर्थन मूल्य 60 रुपये से बढ़कर 80 रुपये प्रति किलो करने, मक्का का समर्थन मूल्य 40 रुपये से बढ़कर 50 रुपये, पांगी के जौ का समर्थन मूल्य 60 रुपये से बढ़कर 80 करने और हल्दी का समर्थन मूल्य 90 से बढ़कर डेढ़ सौ रुपए प्रति किलो करने की घोषणा की। उन्होंने अदरक को भी समर्थन मूल्य के तहत लाने और 30 प्रति किलो के हिसाब से खरीदने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने हिमाचल में एक लाख परिवारों को मुख्यमंत्री अपना सुखी परिवार योजना के तहत लाने की घोषणा की। उन्होंने इन परिवारों को 3 सौ यूनिट फ्री बिजली देने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने इन परिवारों की महिलाओं को तीसरे चरण में 15–1500 रुपये प्रति माह देने की भी घोषणा की। उन्होंने उन चुनावी गारंटियों पर भी काम शुरू करने की घोषणा की जिन पर अभी तक काम शुरू नहीं हुआ है। मुख्यमंत्री ने हिमाचल में चौबीस घंटे दुकानें कानूनी तौर पर खुली रखने की इजाजत देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि इस फैसले से हिमाचल घूमने आने वाले पर्यटकों को सुविधा होगी और लोगों की आर्थिकी भी मजबूत होगी। मुख्यमंत्री ने प्रदेश में अगले वित्त वर्ष में डेढ़ सौ और सीनियर सेकेंडरी स्कूलों को सीबीएससी से सम्बद्ध करने की घोषणा की। बजट भाषण अभी भी जारी है।

.....

विपक्ष हंगामा

इससे पहले आज बजट भाषण के आरंभ में ही मुख्यमंत्री ने जब आरडीजी का जिक्र किया और कहा कि विपक्ष ने आरडीजी बहाली के लिए सरकार का साथ नहीं दिया, तो विपक्ष ने मुख्यमंत्री के शब्द पर कड़ी आपत्ति जताई, जिससे पूरा विपक्ष अपनी सीट पर खड़ा होकर शोरगुल करने लगा। बाद में पूरा विपक्ष सदन के बीचो–बीच नारे लगाते हुए पहुंच गया। भारी हंगामे के कारण मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू को अपना बजट भाषण बीच में ही रोकना पड़ा। विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया ने इस दौरान विपक्ष से अपनी सीटों पर जाने को कहा, लेकिन जब विपक्ष हंगामे पर अड़ा रहा तो

विधानसभा अध्यक्ष ने सदन की कार्यवाही 15 मिनट के लिए स्थगित कर दी। इसके बाद पूरा विपक्ष सदन से बाहर चला गया। विधानसभा अध्यक्ष ने सदन की कार्यवाही फिर से शुरू कर दी। इस पर विपक्ष भी फिर से सदन में लौट आया और विधानसभा अध्यक्ष के फैसले का विरोध करने लगा। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि वह अपने फैसले को रिव्यू कर सकते हैं, लेकिन जब विपक्ष नहीं माना तो उन्होंने मुख्यमंत्री को बजट भाषण फिर से शुरू करने को कहा। इसपर मुख्यमंत्री ने सदन के भारी हंगामे के बीच ही बजट भाषण शुरू कर दिया। बाद में विधानसभा अध्यक्ष ने व्यवस्था दी की मुख्यमंत्री द्वारा बजट भाषण में कहे गए आपत्तिजनक शब्द को कार्यवाही से निकाल दिया गया है। इसके बाद हंगामा शांत हुआ और मुख्यमंत्री ने अपना बजट भाषण फिर से पढ़ना शुरू किया।

विपक्ष विरोध

इस बीच विपक्षी दल भाजपा ने आज बजट भाषण से पहले विधानसभा के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने राज्य सरकार से हाल ही में बढ़ाए गए एंट्री टैक्स को वापस लेने की मांग करते हुए कहा कि इसका सीधा असर आम जनता पर पड़ेगा।